केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान

रहमानखेड़ा, पो. काकोरी, लखनऊ-227 107 उ.प्र. (भारत)

Central Institute for Subtropical Horticulture

Rehmankhera, PO Kakori, Lucknow-227 107 U.P. (India).

लीची–कलकतिया

- इसके वृक्ष मध्यम आकार के एवं अनियमित फलत वाले होते हैं।
- यह प्रजाति गर्म हवा (लू) को बर्दाश्त कर सकती है। इसका उत्पादन गर्म क्षेत्रों में उचित सिंचाई सुनिश्चित कर किया जा सकता है।
- इसके फल के गुच्छे बहुत आकर्षक होते हैं। फल लंबे हृदयाकार (4.00 सेमी. x 3.60 सेमी) तथा फलों का औसत वजन 25.00 ग्रा. होता है।
- फल का छिलका मोटा, गुलाबी तथा आकर्षक होता है।
- स्वाद मीठा तथा सुवास मनोहर, गूदा थोड़ा सख्त, गूदे की मात्रा 52.0 प्रतिशत, बीज 28.0 प्रतिशत तथा टी.एस.एस. 21°ब्रिक्स होता है।
- लखनऊ के पर्यावरण में फल देरी से जून के दूसरे तथा तीसरे सप्ताह में परिपक्व होत हैं। फल की तुड़ाई धीरे–धीरे सिंचाई करते हुए 15–20 दिनों तक की जा सकती है।
- 12 वर्ष के पूर्ण विकसित वृक्ष से 70–75 किग्रा. औसत उत्पादन प्राप्त होता है।
- इसके वृक्षों के बीच 7 मी. x 7 मी. की दूरी सर्वोत्तम होती है।
- पूर्ण विकसित वृक्ष के लिए प्रति पौध प्रति वर्ष 15 से 20 किग्रा गोबर की सड़ी खाद, 500 ग्रा. नाइट्रोजन, 250 ग्रा फॉस्फोरस तथा 500 ग्रा. पोटाश संस्तुत है।
- इस क्षेत्र मे लीफ रोलर तथा लीफ माइनर को सूक्ष्म कीट के रूप में देखा गया।

Phone :0522-2841022, 2841023, 2841024 Fax :0522-2841025

website:www.cishlko.org; E-mail:director@cish.ernet.in